

IPR & ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT CELL SHRI RAM COLLEGE

Circular Road, Muzaffarnagar

SRC/MZN/IPR/2019-20

Dated: 31/08/2019

NOTICE

It is to inform all students and faculty members that a one day awareness workshop on "Intellectual property rights (IPR) and entrepreneurship development(ED)" is being organised by the cell on 07/09/2019 i.e. Saturday.

The seminar is conducted to create awareness among the students and faculties about the intellectual property rights. The guest speakers will be Mr. Vikas, Mr. Sanchit and Mr. Sangeet, Founders, Shri Ram Technologies and Mr. Anas, Founder, GroAmrit Organics.

Kindly ensure presence of students and faculties in SRC auditorium on abovementioned date at 10.30 AM.

(Dr. Sourabh Jain) Co-ordinator, IPR & ED cell

CC to:

- Principal, SRC, Mzn
- 2. IQAC, SRC, Mzn
- All the members of the cell for necessary action
- All the HoDs for cooperation and participation
- 6. PS to Honourable Chairman for kind information

· Co-ordinator IQAC, Shri Ram College, Muzaffarnagur



IPR & ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT CELL SHRI RAM COLLEGE

Circular Road, Muzaffarnagar

SRC/MZN/IPR/2019-20

Dated: 09/09/2019

SEMINAR REPORT

A one day awareness workshop was conducted by the cell on 07/02/2019 on Intellectual property rights (IPR) and entrepreneurship development (ED). The main agenda of the workshop was to enlighten participants about intellectual property rights and motivate students for innovative idea development. The keynote speaker were Dr. Aaditya Gautam, Director, SRC and Dr. Vinit Kumar Sharma, Dean (Academics), SRC. The workshop was started with lamp lightning by DR. Alok Gupta, Director, SRGC; Dr. Prerna Mittal, Dr. Aditya Gautam, Mr. Manish Jain, Secretary, IIA-Muzaffarnagar. and Dr. Sourabh Jain, co-ordinator, IPR&ED Cell.

After lamp lightning, Mr. Shrikant Singh, Member, IPR & ED cell welcomed all the guests and participants and further briefly explained the working and functioning of cell. After that, Mr. Vikas & Mr. Sangeet previous incubatees of cell who have started their successful venture Shri Ram Technologies throwed light on working and process of intellectual property rights. His keynote address highlighted various stigmas and question surrounding the issue. Also, he explain the type os IPR such as patent, trademark, copyrights and trade secrets. Mr. Anas, Founder, GroAmrit Organics on the other hand, in his address highlighted the importance of entrepreneurship and how to create and develop the required skills and environment for the same.

Speakers thanked to the cell and their mentors for their continous support and guidance. After their address, they answered various queries of students on how to start a start-up.

After the keynote address, Dr. Sourabh Jain congratulated the speakers and participants and motivated students to develop entrepreneurship through small projects/innovative ideas with the help of cell.

The workshop ended with distribtuion of mementoes and certificates to the speakers. In total, 83 participants attended the workshop.

(Dr. Sourabh Jain) Co-ordinator, IPR & ED cell

CC to:

Principal, SRC, Mzn

2. IQAC, SRC, Mzn

Co-ordinator IQAC, Shri Ram College, Muzaffarnagar





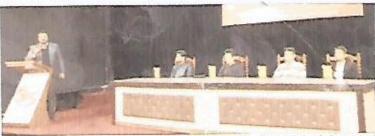
Co-ordinator IOAC, Shri Ram College, Muzaffarnagar

श्रीराम में हुआ बौद्धिक सम्पदा उद्यमिता का आयोजन

जाह टाइम्स व्यंग

म् जफ्फरनगर। श्रीराम कलि व को बीदिक सम्पदा एवं उद्योगता विकास द्वारा स्टारं अप टॉक का आयोजन किया गया जिसम महाविद्यालय के एवं छात्र श्रीराम टेक्नोलॉजीज क संस्थापक विकास कलश्रुष्ट संगीत ग्रांबर एवं साँबत कलश्रप्त तथा या अमृत आंगेनिक्स क भी अनम मान्य सकता गई। मान ोनार का मुख्य उर्दश्य होत्रों को स्टार्ट अप या लग् उद्योग प्रारम्भ करने के लिए प्रसित्त करना रहा।

मर्वप्रथम श्रीराम टेक्नालां ग्रीज के संस्थापक और एक सफल स्टार्ट अप का संचालन कर रहे संगीत गांवर एवं विकास कलचन्द्र ने छात्रों की सम्बाधित करते हुए कहा की माला में यह स्पष्ट हो चुका है कि उद्ययशोलता लगातार आधिक विकास से सहायश पहान करती है। एक सांच को आधिक रूप में बदलना उद्यमशीलता के अंतर्गत सबसे पहत्वपूर्ण विचारशील बिन्दु हैं। इतिहास माधी है कि आर्थिक उत्पति उन लोगों के दारा माध्यय व विकरित हा पाई है जा उद्यमी है व नई पद्धति



को अपनान वाल है। ता वास्त्रिम इताने वाल होते हैं तथा एस स्अवसर का घीड़ा करते हैं जो कि दुसरों क दाग मण्डिकल या भय के कारण न पहचाना गया हो। उदाहरण स्वरू प इन्होंने खाटर ऑटोमेशन तकनीक का विकास दिया और ये भी बताया की हम इस तकतीक के माध्यम से आज वा अपने ऑफिस में बेटे हुए शहर के पानी का प्रवाह नियोजन करने हैं। इन्होंने कहा की विश्व में व्यवसाय करने के बहुत में अथमर हैं। इनका आधार मानव की आवश्यकताए हैं र्जम रजना, फीशन शिक्षा आदि जिनमें निरंतर परिवर्तन हो रहे हैं। आम आदमी को इन अध्यसमें की समञ्जनहीं होती किन्तु एक उद्यमी उनका अन्य व्यक्तियाँ की तुलना म शोधना में भाष लेता है। जेत: एक शक्ति, सुजनात्मक और नवीनता की ओर अग्रमर रहना चाहिए। डॉ आदित्य गीतम, प्राचार्य हा. प्रेरणा

मिन्तन एवं टॉक्टर विनीत कुमार शर्मा द्याग वक्ता भा का प्रतीक विन्ह देकर संस्मानित कि.या गया। इस अवसर पर उद्यमी का अपनी आंखें और कान निशांत राठी, प्रमाद कुमार डा मीरभ खले रखने चाहिए तथा विचार मिनल डा पृजातांमर विवेक कुमार त्यांगी, विकास क्षार त्यांगी, ऑकत कथार रवि गौतम रूपल मलिक आदि प्रजन्तागण उपस्थित गरें।

पंचायत कर्मचारियों को दिये प्रशस्ति पत्र

ज्ञाह टाइम्स संवाददाता

परकाजी। नगर प्रवायन प्रकाजी का आदीएफ प्रमाण पत्र तथा 6 सफाई कर्मशारिया को अन्छ कार्य हेन् प्रशस्ति पत्र वेकर सम्मानिक किया गया। नगर पंचायत के संभागार में सफाई कर्मचारियों की एक विवसीय कार्यशाला में पहाने स्थानीय निकाय के प्रभागी अधिकारी अड्य के मार म्बन्द्रे भारत मिशन के डीपोएम बल होत सिंह, अंतव बीधरी अधिशासी जीवाकारी एवा व के सार मारज एवं क्षेत्र संस्थात व्यवस्था करों। स्टाइकी

किया गया। मीगमओ ता प्रतीम को करीबद १० वंकमानशन में को नीरीकार कार के कुण करा। यह मा हागा आहन तथा करन कमान हो को को प्रतास के अकार तक का मीकाह है

को बोह्यक ग्रम्मदा एवं द्वाविता. स्थाने महत्त्वकृति विचारतील बिन्दु, कोचूजा आहं, देवील को स्थापित विकास है जाई। पोठानाक पर इस है। इतिहास सक्ती है कि जायिक किया। उन्होंने कहा की दिस में रोत । मेल द्वारा मदर्श अन रावि । स्वति इन लोगों के द्वारा सम्भव व । स्वयमाय कार्न के बहुत से अवस्थ को आयोशन किया गया। जिसमें जिस्सीमा हो पाई है हो उदानी है व है। इनका आधार मानव की महर्तिवयानय के कुछ बात को राम न्यूं पद्धति को अस्ताने करते हैं। आवारकताल है तैसे शान फैसर क्लोनों होते के संस्थारक विकास को संप्रवेशन के लाभ उठने यांगा जिल्ला आहे जिनसे निर्मा परिवर्तन कुलआह मंगोत गोतुह एवं सीचत तथा बोरियम उडले के लिए तैयार हो तरे हैं। आप आदमी को इत मान बंद तथा हो अपूर अगिनमा है। यो बोल्डिम उठले पाले होते हैं। अवसरी को गयह नहीं होती किन् क मीर अनग मुख्य बना हो। तथा ऐसे मुख्यसर का पीड़ा करते. एक उदावी इनको अन्य व्यक्तियों सेमीनर का मुख्य प्रदेश क्षणों को हैं जो कि दूसरों के द्वारा मुख्यता को तुनन में शोधता से भाँव लोता महार्थ अन वा लच् ह्याँग प्राप्तभ वा भय के कारण न परकाना है। अने एक ह्यामी को अपनी बरने के लिए प्रेरित बरना गया। गया हो। उद्यागण स्वरूप इन्होंने। आर्थे और कान सूने स्वरूने पातिए सर्वत्रयम् क्षे सम तक्तीनश्चित्र सः बारग अरियोग्यन तकसीक का तथा विधार गाँउ सुजनायक और संस्थापक और एक समान स्टार्ट विवयण दिया और ये ये बताया. नवीनत की और अगुमा रहना रोक्य एवं विकास कुलनेहा ने वाली माध्यम सं आज वा अपने कॉलिज को प्रायान हो। प्रेरणा के मुख्य स्थेत हैं। वीचना के और बोरे में वाली को अवसर कराया। की सीरम सिसान की को मन्बोंचन करते हुए कहा की आणिम ये कैटे हुए शहर के पानी मिनल ने बकाओं को चन्यकार में आईस्पीठकार एंड ३० डीट मेल जनकार मार्गिकारन के स्टिशक होगा. विवेक कुमार तर

है। एक मोच का अधिक कप में उहाने को इच्छाणीत और निष्कण, पीचनेन में हुई है हो और ताजें को प्रोच्छित करने के पनाओं को प्रतीक विकट मुख्यक्रकार। ते सम्बन्धिः बटननः प्राच्योतनाः के आयोगः आन्योवधास से उन्होंने एक सकतः कि समार में बदली हो एक नई जिए मार्थियालय के हुए स्वर्धितः सम्मानन किया गसः इस अ



मानी में यह पाए हो नुका है कि का प्रवाद नियोजन करने हैं। --क्राने हुए क्षेत्र को हाममीनता की के ममजवाक हो सीमध देत ने होती ही आदित्य गीहम, प्राथम हों। जिकाम कुमार त्याणी अ उद्यमकोलना लगातार आर्थिक असके प्रकार मीठ असम ने पार तो भी परिभाषा हो यह काली अर्थ के संस्थापकों को उसकी धीरण मितल एवं होन एक होंग्यक क्ष्मार शीव गीतम कपण म

विकास में महायत प्रदेश करती. कराया को केसे औरमोरण वीर्यम तद एक पदन्याय सुजनायक. सम्मत्य के लिए हार्टिक प्रयोगी डॉक्टर विकीत कुमार गर्मा हुन। आदि प्रयक्ताणम उर्यास्थात है

Co-ordinator IQAC, Shri Ram College, Muzaffarnagar